भाषा और साक्षरता

प्रामाणिक लेखन

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के विद्यार्थी –केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को विद्यालय की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने थ्वद्यार्थियों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* । मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 LL09v1
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है.
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई में आप लेखन के महत्त्वपूर्ण कौशल को विकसित करने के लिए अपने छात्र–छात्राओं को प्रेरित करने हेतु अपनी कक्षा में उद्देश्यपूर्ण, आनंददायक, प्रामाणिक लेखन गतिविधियों को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आप संरचना और प्रतिलेखन के बीच अंतर पर विचार करने के लिए, एक विस्तृत लेखन–केंद्रित पाठ की योजना तैयार करेंगे, और अपने छात्र–छात्राओं के साथ साझा और सहयोगात्मक लेखन का प्रयास करेंगे।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- आपके छात्र–छात्राओं के लेखन के लिए प्रामाणिक श्रोता/दर्शक और प्रयोजनों की कैसे पहचान करेंगे।
- आपके छात्र–छात्राओं के लेखन पाठों में संरचना और प्रतिलेखन का किस प्रकार संतुलन करेंगे।
- संवादात्मक और अनौपचारिक शिक्षण को प्रोत्साहित करने वाली साझा लेखन गतिविधियों की किस प्रकार योजना तैयार करेंगे।

यह दृष्टिकोण क्यों महत्त्वपूर्ण है

लेखन के लिए हमेशा श्रोता/दर्शक उपलब्ध होता है, भले ही वह व्यक्ति स्वयं ही क्यों न हो। इसी प्रकार, प्रत्येक लेख का एक उद्देश्य होता है, भले ही वह बाज़ार से चावल की ख़रीदारी करने का सामान्य कैश–मेमो ही क्यों न हो। विद्यालयों में, लेखन कार्य में कभी-कभी यह प्रामाणिक दर्शक और उद्देश्य की कमी हो सकती है, विशेषतः जब यह यांत्रिक अभ्यास का स्वरूप ग्रहण कर ले। यदि लेखन-कार्य प्रामाणिक न हो, तो छात्र–छात्रा यह पूरी तरह नहीं समझ पाएँगे कि वे क्यों असली दुनिया के मामलों पर लिखने में सक्षम हैं, और इस कौशल में महारत हासिल करना कितना सुखद और रचनात्मक हो सकता है।

विकास लेखन के दो तत्व हैं: संरचना और प्रतिलेखन।

- संरचना को 'लेखक की भूमिका' माना जा सकता है, क्योंकि इसमें विचारों को उत्पन्न और व्यवस्थित करना, तथा उपयोग की जाने वाली भाषा शैली का चयन करने के साथ, यह जानना शामिल होता है कि लेखन को कौन पढ़ेगा (इसका पाठक) और इससे क्या उपलब्धि (उसका प्रयोजन) हासिल होगी।
- प्रतिलेखन को 'सचिव की भूमिका' माना जा सकता है, क्योंकि उसमें यह सुनिश्चित करना शामिल होता है कि लेखन सुपाठ्य है, वर्तनी सही है, विराम चिह्न सही हैं और पाठ का ले-आउट उपयुक्त है।

सामान्यतः शिक्षक/शिक्षिका अपने छात्र–छात्राओं के प्रतिलेखन तत्व पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करने और उसे समझाने तथा सुधारने में समय खर्च करते हैं। लेकिन, इन दोनोमें, संरचना में महारत हासिल करना छात्र–छात्राओं के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण है।

जब आपके छात्र–छात्रा उन्हें दिलचस्प और प्रेरित करने वाले विषय पर लेखन की संरचना कर रहे हों, जब वे अपना लेखन कौशल विकसित कर रहे हों – तब वे अपनी लिखावट, वर्तनी, विराम चिह्न तथा अनुच्छेद संबंधी संलेखन कौशल को भी विकसित कर रहे होते हैं। लेकिन इसकी विपरीत स्थिति उत्पन्न नहीं होती है। इसलिए अधिक प्रामाणिक रचना कार्यों की शुरुआत करना अधिक महत्त्वपूर्ण है, ताकि छात्र–छात्रा सार्थक पाठ के स्वतंत्र लेखक बन सके।

1 असली दुनिया में लेखन

गतिविधि 1: असली दुनिया में लेखन

आप अपने विद्यालय और अपने समुदाय में किस प्रकार का लेखन पाते हैं? अपने किसी सहकर्मी के साथ, सूची तैयार करने के लिए कुछ समय निकालें। उदाहरणों में निम्न शामिल हो सकते हैं:

- यातायात संकेत
- विज्ञापन
- समय-सारणियाँ
- स्वास्थ्य संबंधी पोस्टर
- राजनीतिक नारे
- कैलेंडर
- धार्मिक पाठ
- पत्रिकाएँ
- समाचार-पत्र
- पुस्तकें
- सिनेमा के पोस्टर
- विद्यालय के नोटिस
- विषय के चार्ट
- उपस्थिति चार्ट।

साप्ताहिक मेनू	मध्याह्न भोजन मेनू का विकल्प
सोमवार	मिश्रित दाल, चावल, सब्जी
मंगलवार	सोयाबीन, चावल
बुधवार	मिश्रित हरी सब्ज़ी–युक्त खिचड़ी, चोखा
गुरूवार	चावल, दाल, मिश्रित सब्ज़ी
शुक्रवार	पोलाव, छोला, सलाद
शनिवार	मिश्रित हरी सब्ज़ी–युक्त खिचड़ी, चोखा

चित्र 1: एक विद्यालय का मेनू।

अब प्रश्नों के इन दो सेट का उत्तर दें:

- सेट 1:
  - आपके विचार में आपके छात्र–छात्रा अपने घर या समुदाय में किस प्रकार का लेखन देखते होंगे?
  - इस लेखन के प्रत्याशित पाठक कौन हैं?
  - इस लेखन का उद्देश्य क्या है?
- सेट 2:
  - आपके छात्र विद्यालय में किस प्रकार का लेखन करते हैं?
  - इस लेखन के प्रत्याशित पाठक कौन हैं?
  - इस लेखन का उद्देश्य क्या है?

क्या आपके छात्र–छात्राओं द्वारा विद्यालय के बाहर देखे जाने वाले लेखन और विद्यालय में उनके द्वारा किए जाने वाले लेखन में कोई समानताएँ हैं? क्यों या क्यों नहीं?

केस स्टडी 1 आप एक ऐसी शिक्षिका के बारे में पढ़ेंगे, जिसने अपनी कक्षा में असली दुनिया के लेखन को उजागर किया।

केस स्टडी 1: पोस्टकार्ड लेखन

श्रीमती शर्मिला गया के एक विद्यालय में दूसरी कक्षा की शिक्षिका हैं। यहाँ वे साधारण लेखन गतिविधि का वर्णन कर रही हैं, जिसे उन्होंने अपने कम उम्र वाले छात्र–छात्राओं के साथ आज़माया।

गर्मियों से पहले, मुझे दिल्ली की यात्रा करने वाले अपने एक मित्र से एक पोस्ट कार्ड मिला। मैं अपने छात्र–छात्राओं को दिखाने के लिए उसे अपनी कक्षा में ले आई। पोस्टकार्ड के सामने वाले हिस्से में लाल किले की तस्वीर और पीछे मेरे मित्र का संदेश देख कर उत्साहित थे।

मैंने पोस्टकार्ड में अपने छात्र–छात्राओं की दिलचस्पी बढ़ाने के लिए एक पाठ की योजना तैयार करने का निर्णय लिया। मैंने मोटे सफ़ेद कार्ड के आयताकार टुकड़े काटे और उनमें से प्रत्येक को एक टुकड़ा सौंप दिया। फिर मैंने उन्हें एक तरफ़ अपना पसंदीदा कोई परिचित या काल्पनिक चित्र बनाने को कहा।

जब उनका काम ख़त्म हुआ, तो मैंने उन्हें पोस्टकार्ड के दूसरी तरफ़ दो हिस्से करने के लिए कहा। दाईं ओर उन्होंने अपने घर का पता लिखा। कुछ छात्र–छात्रा इसे समझ नहीं पाए, तब मैंने उन्हें अपनी बात समझाई और लिखने के लिए कहा।

पते के बाईं ओर उन्होंने अपने माता-पिता के लिए एक छोटा संदेश लिखा। मैंने ब्लैकबोर्ड पर कुछ वाक्यों के नमूने लिखे, जैसे कि, 'प्रिय माताजी और पिताजी','आशा है आप स्वस्थ होंगे', 'आपको मेरी शुभकामनाएँ'। इस प्रकार मैंने कम सक्षम छात्र–छात्राओं की मदद की। अधिक सक्षम छात्र–छात्राओं ने अपनी पसंद का संदेश लिखा। फिर उन्होंने अपने संदेश के अंत में अपने नाम का हस्ताक्षर किया।

मेरे प्रधानाचार्य ने पोस्टकार्ड के लिए टिकट खरीदने हेतु कुछ पैसे दिए। पोस्टकार्ड के ऊपरी दाएँ हिस्से में स्टाम्प चिपकाने के बाद, मैं अपने छात्र–छात्राओं के साथ निकटतम पोस्टबॉक्स तक गई और उसमें कार्ड डाल दिए।

अगले सप्ताह जब पोस्टकार्ड घरों पर वितरित किए गए, तो मेरे छात्र–छात्रा काफ़ी रोमांचित हुए। उसे पाकर उनके माता-पिता भी बेहद खुश थे।

ज़रा सोचिए

- श्रीमती शर्मिला की पोस्टकार्ड गतिविधि ने किस प्रकार संरचना और प्रतिलेखन के बीच संतुलन स्थापित किया?
- आप बड़े बच्चों के लिए इस गतिविधि को किस प्रकार अनुकूलित करेंगे?

इस गतिविधि में छात्र–छात्राओं को स्वयं अपनी कल्पना का उपयोग करते हुए पाठ की रचना के लिए कहा गया, लेकिन इसे करने के लिए आवश्यक कुछ वाक्यांश शिक्षिका ने उन्हें दिए। इस प्रकार की गतिविधि में माता-पिता को संदेश का प्रेषण सकारात्मक रूप से घर एवं विद्यालय के बीच होने वाले संवाद को बढ़ावा देता है। बड़े छात्र–छात्राओं को लिखने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। वे एक दूसरे को, या अपने किसी परिचित दूसरे विद्यालय के छात्र–छात्रा को भी पोस्टकार्ड लिख सकते हैं।

2 साझा लेखन

कभी-कभी छात्र–छात्राओं को लेखन कार्य में शुरुआत और समापन करने में कठिनाई हो सकती है। साझा लेखन कई योगदानकर्त्ताओं के विचारों को एक साथ जोड़ते हुए, कक्षा में इस परेशानी से निबटने का एक सहयोगात्मक तरीक़ा है।

साझा लेखन विशेष रूप से ऐसे कम उम्र वाले छात्र–छात्राओं के लिए प्रभावी हो सकता है, जो पढ़ना सीख रहे हों, क्योंकि यह उन्हें विचारों को व्यक्त करने तथा बोली जाने वाली भाषा को लिखित रूप में अभिव्यक्त करने का तरीक़ा समझने में मदद करता है। तथापि, यह सभी स्तरों के छात्र–छात्राओं के लिए उपयोगी है।

अब केस स्टडी 2 के दो उदाहरण पढ़ें।

केस स्टडी 2: छात्र–छात्राओं के शब्दों को लेखन में रूपांतरित करना

सुश्री उषा, नवादा के समीप एक ग्रामीण विद्यालय में दूसरी कक्षा की शिक्षिका है।

मैं नियमित रूप से पत्रिकाओं और प्रचार सामग्री से चित्र काटती रहती हूँ। उनमें विविध स्थान, लोग और पशुओं के चित्र शामिल रहती हैं। मैं जहाँ भी संभव हो, रंगीन, मज़ेदार और असामान्य चित्रों को खोजने का प्रयास करती हूँ। मेरे पास काफ़ी बड़ा संग्रह है।

मैं बारी-बारी से छात्र–छात्राओं के छोटे समूह के साथ इस लेखन गतिविधि को करती हूँ, जब कि कक्षा के बाक़ी छात्र–छात्राओं को उस समय कोई और काम देती हूँ। मैं छात्र–छात्राओं के समूह को चित्र के वितरण और आपस में विचार-विमर्श के लिए थोड़ा समय देते हुए शुरुआत करती हूँ। फिर मैं चित्र के बारे में कुछ कहने के लिए अलग-अलग छात्र–छात्राओं को आमंत्रित करती हूँ। वे जो कहते हैं उसे मैं ब्लैकबोर्ड पर लिखती हूँ।

हर किसी के योगदान के बाद, मैं उनका कहा पढ़ कर सुनाते हुए शब्दों की ओर संकेत देती हूँ। फिर हम वाक्यों पर ग़ौर करते हैं और उनकी एक सुसंगत कहानी बनाने के लिए उन्हें पुनर्व्यवस्थित करती हूँ। हम शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ते हुए साथ मिल कर कहानी ज़ोर से पढ़ते हैं ताकि प्रवाह बना रहे और वह और दिलचस्प हो सके। जब हर कोई कहानी से संतुष्ट हो जाए, हम एक उपयुक्त शीर्षक पर सहमत होते हैं।

चित्र 2: एक कहानी पर मिलजुल कर काम करता एक समूह।

फिर मैं चार्ट पेपर पर कहानी लिखती हूँ और योगदान देने वाले छात्र–छात्राओं का नाम लिखते हुए, कक्षा की दीवार पर उसे टाँगती हूँ।

मैं अपने छात्र–छात्राओं से उनकी अभ्यास पुस्तिका में कहानी को सुव्यवस्थित रूप से कॉपी करने और उपयुक्त चित्रों से सजाने के लिए कहती हूँ।

श्री गुलाब, भागलपुर के एक बड़े विद्यालय में आठवीं कक्षा के शिक्षक हैं।

मेरे छात्र स्थानीय बाज़ार को अधिक दूरी पर स्थानांतरित करने की सरकारी योजना के बारे में बहुत परेशान थे। इससे वहाँ

से माल खरीदने और बेचने वाले समुदाय के कई परिवारों को असुविधा हो सकती थी।

मेरे छात्र स्थानीय प्रशासन को एक विरोध पत्र लिखना चाहते थे। मैं इस कार्य में उनकी मदद करने के लिए सहमत हो गया। मैंने छह–छह छात्र–छात्राओं के समूह को एक काग़ज़ दिया और उनसे बाज़ार को स्थानांतरित करने के बारे में वे जो कहना चाहते थे, उसके मुख्य बिंदुओं को लिखने के लिए कहा।

चित्र 3: पत्र लिखते हुए।

जब उन्होंने अपना काम संपन्न किया, तो मैंने प्रत्येक समूह से पूरी कक्षा को उसे सुनाने के लिए कहा। जब वे ऐसा कर रहे थे, तब मैंने उनके विचार ब्लैकबोर्ड पर लिखा। कभी-कभी उनकी भाषा क्रोध से भरी होती थी, इसलिए मैंने उन्हें सम्मानपूर्वक अपनी बात रखने और इन बिंदुओं के समर्थन में अच्छे कारण देने का महत्त्व समझाया, ताकि प्रशासन को इस मामले में ध्यान देने के लिए मना सकें। साथ मिलकर, हमने मुख्य बिंदुओं को दुबारा लिखते हुए, भाषा को और अधिक औपचारिक बनाते हुए, ब्लैकबोर्ड पर पत्र के कई मसौदे तैयार किए।

फिर मैंने अपने छात्र–छात्राओं से पत्र के अंतिम संस्करण को लिखने के लिए कहा, ताकि उनके पास खुद के लिए एक प्रति मौजूद रहे, फिर उन्होंने इनमें से एक को चुना, अपने हस्ताक्षर जोड़े और उसे प्रशासन को डाक से भेजा।

मेरे छात्र–छात्राओं ने एक याचिका देने का भी विचार किया, ताकि प्रशासन बाज़ार के स्थानांतरण के खिलाफ़ स्थानीय लोगों की भावनाओं का बल देख सके। इसलिए हमने याचिका के परिचय के रूप में इस क़दम के खिलाफ़ विरोध जताते हुए छोटा पाठ लिखने के लिए उसी साझा लेखन प्रक्रिया का उपयोग किया। मेरे छात्र–छात्राओं ने फिर लोगों से हस्ताक्षर करने की माँग करते हुए समुदाय के पास याचिका ले जाने के लिए कार्यक्रम बनाया।

ज़रा सोचिए

उपर्युक्त प्रत्येक केस स्टडी के लिए निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार करें:

- छात्र–छात्राओं के लेखन के पाठक कौन हैं और उनका उद्देश्य क्या है?
- संरचना और प्रतिलेखन संबंधी कार्य का संतुलन कैसा है?
- गतिविधियों के दौरान अपने छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करने के लिए शिक्षकों के पास क्या अवसर मौजूद हैं?

- ध्यान दें कि प्रत्येक मामले में छात्र–छात्राओं ने किस प्रकार सहयोगात्मक और व्यक्तिगत, दोनों तरह लिखा। आपके विचार में साझा लेखन के सामाजिक लाभ क्या हैं?

'समूहकार्य का उपयोग करना' प्रमुख संसाधन इस चरण में उपयोगी हो सकता है।

वीडियो: समूहकार्य का उपयोग करना

गतिविधि 2: लेखन-केंद्रित पाठ की योजना

केस स्टडी 2 में कक्षा अभ्यास के किसी एक विवरण का चयन करें और उनके द्वारा वर्णित साझा लेखन गतिविधि के लिए एक सीखने की योजना तैयार करें।

यथा संभव अधिक विवरण शामिल करने का प्रयास करें। उसके लिए आवश्यक संसाधनों की पहचान द्वारा शुरुआत करें और गतिविधि के प्रत्येक चरण के लिए आवश्यक समय का पूर्वानुमान लगाना सुनिश्चित करें। यदि आप चाहें तो एक पाठ को कई चरणों में बाँट सकते हैं।

सीखने की योजना बनाने में अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए संसाधन 1 देखें।

प्रस्तुत है सुश्री उषा के विवरण के आधार पर योजना की शुरुआत का एक उदाहरण। तथापि, आप सारणी प्रारूप का उपयोग कर सकते हैं।

सीखने की योजना: सुश्री उषा की साझा लेखन गतिविधि।

उद्देश्य:

- विचार, कथन और लेखन के बीच संबंध स्थापित करने के लिए छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करना।
- संकेत के रूप में चित्रों का उपयोग करते हुए जोड़ी में विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करना।
- पूरी कक्षा द्वारा कहानी रचना में योगदान देने के लिए छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करना।

संसाधन:

- पत्रिका से फ़ोटो/तस्वीरों की कतरनें, प्रतिलिपि, जो छात्र–छात्राओं द्वारा स्पष्ट रूप से देखने लायक़ पर्याप्त रूप से बड़ी हों।

समय-निर्धारण:

- चित्रों से परिचित करवाने के लिए दस मिनट।
- चित्रों के बारे में छात्र–छात्राओं द्वारा जोड़ों में बात करने के लिए पाँच मिनट।
- चित्र क्या प्रदर्शित करती हैं, इस पर पूरी कक्षा द्वारा बात करने के लिए बीस मिनट।

अपनी योजना तैयार रखें, क्योंकि यह आपको ऐसा नमूना उपलब्ध कराएगा, जिसे आप आगामी गतिविधियाँ 3 और 4 में इस्तेमाल कर सकते हैं।

वीडियो: सीखने की योजना बनाना

गतिविधि 3: असली पाठकों के लिए लेखन और उद्देश्य

आपके छात्र–छात्राओं द्वारा असली पाठकों के लिए लेखन और प्रयोजन पर यथा संभव अवसरों के बारे में अपने सहकर्मियों के साथ विचार करें।

यहाँ कुछ संभावनाएँ दी गई हैं: आप अपने छात्र–छात्राओं की उम्र और अनुभव सहित आपके विशिष्ट संदर्भ के अनुकूल अन्य सहकर्मियों को भी जोड़ सकते हैं।

आपके छात्र–छात्रा निम्न कर सकते हैं:

- अपने परिवार के लिए जन्मदिन या त्योहार संबंधी कार्ड के लिए लिखना और चित्रित करना
- गाँव में बच्चों के लिए सरल पुस्तकें तैयार करना
- विद्यालय के छोटे बच्चों के लिए कहानियां या कविताएँ लिखना
- DIET से संपर्क का उपयोग करते हुए, किसी अन्य जिले या शहर के किसी कक्षा के साथ 'कलम मित्र' बनना
- किसी लेखक, कलाकार या राजनेता को उनके काम के बारे में पूछताछ करते हुए पत्र लिखना
- हाथ धोने का महत्व जैसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे पर पोस्टर तैयार करना और विद्यालय में चारों ओर और बाहर प्रदर्शित करना
- घर में प्रयुक्त व्यंजनों को लिखना और कक्षा में व्यंजन-पुस्तिका तैयार करना, जिसे फ़ोटोकॉपी कर वितरित किया जा सके
- किसी स्थानीय मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्थानीय समाचार-पत्र को लिखना
- नए छात्र–छात्राओं के लिए परामर्श सहित, विद्यालय के लिए 'स्वागत गाइड' तैयार करना
- उनके गाँव या जिले के लिए दिशानिर्देश तैयार करना।

आपके द्वारा सूचीबद्ध सुझावों में निम्न पर नोट्स तैयार करें:

- लेखन के वांछित पाठक कौन हैं (माता-पिता, अन्य छात्र, स्थानीय लोग, आगंतुक आदि)
- लेखन का क्या उद्देश्य है (सूचित करना, मनोरंजन, राज़ी करना, सिखाना आदि)
- आप लेखन प्रकार का नमूना किस प्रकार तैयार करेंगे (आप अपने छात्र–छात्राओं को असली उदाहरण दिखा सकते हैं, उन्हें सामान्य रूपरेखा उपलब्ध करा सकते हैं, शामिल करने के लिए मुख्य शब्दों और वाक्यांशों को सूचीबद्ध कर सकते हैं, आदि)
- आप लेखन गतिविधि के अंतर्गत संरचना और प्रतिलेखन संबंधी कार्यों को किस प्रकार संतुलित करेंगे।

गतिविधि 4: अपने छात्र–छात्राओं के साथ साझा लेखन पाठ का क्रियान्वयन करना

अपनी सूची से किसी एक विचार का चयन करें और अपनी कक्षा के साथ उसे आज़माने का प्रयास करें। आपके द्वारा गाइड के रूप में पहले से तैयार सीखने की योजना का उपयोग करते हुए, इस पाठ के लिए नई योजना तैयार करें, जिसमें

निम्नलिखित विवरण सुनिश्चित हों:

- कार्य के पाठक और प्रयोजन
- साझा लेखन तत्व का स्वरूप
- संरचना और प्रतिलेखन पर खर्च किए जाने वाले समय का संतुलन।

आप पहले गतिविधि को अपने सहकर्मियों के साथ आज़मा सकते हैं। उनका फ़ीडबैक (प्रतिपुष्टि) प्राप्त करें और तदनुसार अपनी सीखने की योजना का अनुकूलन करें। जब आप तैयार हो जाएँ, तब अपनी कक्षा में पाठ को क्रियान्वित करें।

लेखन प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर अपने छात्र–छात्राओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए, उनके द्वारा सुझाए गए सुधार की प्रतिक्रिया में, आपके द्वारा साझा पाठ में किए जाने वाले परिवर्तनों पर आँखों देखा हाल उन्हें उपलब्ध कराएँ। यह उसकी शैली के पहलुओं से संबंधित हो सकता है – उदाहरण के लिए, क्या वह औपचारिक है या अनौपचारिक, उसकी शब्दावली, या उसका अनुक्रम और प्रवाह। आगे आपके द्वारा लिखित पाठ को पढ़ कर सुनाए ताकि यह जाँच सकें कि प्रगामी रूप से बदलते हुए वह किस प्रकार ध्वनित होता है। ऐसा करते हुए, आप कक्षा को प्रदर्शित कर रहे हैं कि अच्छी संरचना के लिए और ध्यान देने की आवश्यकता है।

इसके साथ-साथ आपको साफ़-सुथरी लिखाई और समनुरूप रिक्तियों का उपयोग करते हुए, समुचित विराम-चिह्न, वर्तनी तथा व्याकरण का संकेत देते हुए प्रतिलेखन कौशल का प्रदर्शन करना चाहिए। स्पष्ट करें कि इस प्रकार के विवरण कैसे अभिप्रेत पाठकों पर पाठ के समग्र प्रभाव में योगदान दे सकते हैं।

ज़रा सोचिए

- आप कैसे कह सकते हैं कि पाठ सफल रहा?
- आपने कैसे निगरानी की कि आपके सभी छात्र–छात्रा सीख रहे हैं?

साझा लेखन अनौपचारिक और सहयोगात्मक है। वह ऐसे छात्र–छात्राओं के लिए मददगार है जो आश्वस्त नहीं है कि क्या लिखें और जो प्रतिलेखन त्रुटि के बारे में आशंकित हैं। यह छात्र–छात्राओं को मसौदा तैयार करने और पुनर्लेखन की प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करता है।

3 सारांश

इस इकाई में आपने अपनी कक्षा में प्रामाणिक पाठकों और उद्देश्यों के लिए लेखन समाविष्ट करने के तरीक़ों पर विचार किया है। आश्वस्त लेखक बनने के लिए छात्र–छात्राओं को अभ्यास की ज़रूरत है। आप यह दर्शाते हुए उनके लेखन कौशल को विकसित करने में मदद कर सकते हैं कि लेखन उद्देश्यपूर्ण और लाभप्रद हो सकता है। आप संप्रेषण बढ़ाने के साधन के रूप में कार्य करते हुए केवल प्रतिलेखन युक्त संरचना पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आपके छात्र–छात्रा भी साझा लेख पर एक साथ काम करते हुए लेखन के प्रामाणिक उद्देश्यों को भी समझ सकते हैं।

यह इकाई आपको लेखन संकेंद्रित पाठ की योजना तैयार करने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार की योजनाएँ अपने सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में सफलता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने में सहायक हो सकते हैं और इन योजनाओं को विविध पाठों में प्रयुक्त और विस्तृत किया जा सकता है।

संसाधन

संसाधन 1: सीखने की योजना बनाना

अपने सीखने की योजना और उनकी तैयारी क्यों महत्त्वपूर्ण है

अच्छे अध्यायों की योजना बनानी होती है। नियोजन आपके अध्यायों को स्पष्ट और सुसामयिक बनाने में मदद करता है, जिसका अर्थ यह है कि आपके छात्र–छात्रा सक्रिय और आकृष्ट बने रह सकते हैं। प्रभावी नियोजन में कुछ अंतर्निहित लचीलापन भी शामिल होता है ताकि शिक्षक/शिक्षिका पढ़ाते समय अपने छात्र–छात्राओं की सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के बारे में कुछ पता चलने पर उसके प्रति अनुक्रिया कर सकें। अध्यायों की शृंखला के लिए योजना पर काम करने में छात्र–छात्राओं और उनके पूर्व-शिक्षण को जानना, पाठ्यक्रम में से आगे बढ़ने के क्या अर्थ है, और छात्र–छात्राओं के पढ़ने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम संसाधनों और गतिविधियों की खोज करना शामिल होता है।

नियोजन एक सतत प्रक्रिया है जो आपको अलग-अलग अध्यायों और साथ ही, एक के ऊपर एक विकसित होते अध्यायों की शृंखला, दोनों की तैयारी करने में मदद करती है। अध्याय के नियोजन के चरण ये हैं:

- अपने छात्र–छात्राओं की प्रगति के लिए आवश्यक बातों के बारे में स्पष्ट रहना
- तय करना कि आप कौन से ऐसे तरीके से पढ़ाने जा रहे हैं जिसे छात्र–छात्रा समझेंगे और आपको जो पता लगेगा उसके प्रति अनुक्रिया करने के लचीलेपन को कैसे बनाए रखेंगे
- पीछे मुड़कर देखना कि अध्याय कितनी अच्छी तरह से चला और आपके छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा ताकि भविष्य के लिए योजना बना सकें।

पाठ की शृंखला की योजना बनाना

जब आप किसी पाठ्यक्रम का अनुसरण करते हैं, तो नियोजन का पहला भाग यह निश्चित करना होता है कि पाठ्यक्रम के विषयों और प्रसंगों को खंडों या टुकड़ों में किस सर्वोत्तम ढंग से विभाजित किया जाय। आपको छात्र–छात्राओं के प्रगति, कौशलों और ज्ञान का क्रमिक रूप से विकास करने के लिए उपलब्ध समय और तरीकों पर विचार करना होगा। आपके अनुभव या सहकर्मियों के साथ चर्चा से आपको पता चल सकता है कि किसी विषय के लिए चार अध्याय लगेंगे, लेकिन किसी अन्य विषय के लिए केवल दो। आपको इस बात से अवगत रहना चाहिए कि आप भविष्य में उस सीख पर अलग–अलग तरीकों से और अलग–अलग समयों पर तब लौट सकते हैं, जब अन्य विषय पढ़ाए जाएंगे या विषय को विस्तारित किया जाएगा।

सभी पाठों की योजनाओं में आपको निम्न बातों के बारे में स्पष्ट रहना होगा:

- छात्र–छात्राओं को आप क्या पढ़ाना चाहते हैं
- आप उस सीखने–सिखाने की प्रक्रिया का परिचय कैसे देंगे
- छात्र–छात्राओं को क्या करना होगा और क्यों?

आप सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सक्रिय और रोचक बनाना चाहेंगे ताकि छात्र सहज और उत्सुक महसूस करें। इस बात पर विचार करें कि पाठों की शृंखला में छात्र–छात्राओं से क्या करने को कहा जाएगा ताकि आप न केवल विविधता और रुचि बल्कि लचीलापन भी बनाए रखें। योजना बनाएँ कि जब आपके छात्र–छात्रा पाठों की शृंखला में से प्रगति करेंगे तब आप उनकी समझ की जाँच कैसे करेंगे। यदि कुछ भागों को अधिक समय लगता है या वे जल्दी समझ में आ जाते हैं तो समायोजन करने के लिए तैयार रहें।

अलग-अलग पाठों की तैयारी करना

पाठों की शृंखला को नियोजित कर लेने के बाद, प्रत्येक पाठ को उस **प्रगति के आधार पर अलग से नियोजित करना होगा जो छात्र–छात्राओं ने उस बिंदु तक की है।** आप जानते हैं या पाठों की शृंखला के अंत में यह जान सकेंगे कि छात्र–छात्राओं ने क्या सीख लिया होगा, लेकिन आपको किसी अप्रत्याशित चीज को फिर से दोहराने या अधिक शीघ्रता से आगे बढ़ाने की जरूरत हो सकती है। इसलिए हर पाठ को अलग से नियोजित करना चाहिए ताकि आपके सभी छात्र प्रगति करें और सफल तथा सम्मिलित महसूस करें।

पाठ की योजना के भीतर आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय है और सभी संसाधन तैयार हैं, जैसे क्रियात्मक कार्य या सक्रिय समूहकार्य के लिए। बड़ी कक्षाओं के लिए सामग्रियों के नियोजन के हिस्से के रूप में आपको अलग–अलग समूहों के लिए अलग–अलग प्रश्नों और गतिविधियों की योजना बनानी पड़ सकती है।

जब आप नए विषय पढ़ाते हैं, आपको आत्मविश्वासी होने के लिए अभ्यास करने और अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ विचार करने के लिए समय की जरूरत पड़ सकती है।

तीन भागों में अपने पाठों को तैयार करने के बारे में सोचें। इन भागों पर नीचे चर्चा की गई है।

1 परिचय

पाठ के शुरू में, छात्र–छात्राओं को समझाएँ कि वे क्या सीखेंगे और करेंगे, ताकि हर एक को पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है। छात्र जो पहले से जानते हैं उन्हें उसे साझा करने की अनुमति देकर वे जो करने वाले हों उसमें उनकी दिलचस्पी पैदा करें।

2 पाठ का मुख्य भाग

छात्र जो कुछ पहले से जानते हैं उसके आधार पर सामग्री की रूपरेखा बनाएँ। आप स्थानीय संसाधनों, नई जानकारी या सक्रिय पद्धतियों के उपयोग का निर्णय ले सकते हैं जिनमें समूहकार्य या समस्याओं का समाधान करना शामिल है। उपयोग करने के लिए संसाधनों और उस तरीके की पहचान करें जिससे आप अपनी कक्षा में उपलब्ध स्थान का उपयोग करेंगे। विविध प्रकार की गतिविधियों, संसाधनों, और समयों का उपयोग पाठ के नियोजन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आप विभिन्न तरीक़ों और गतिविधियों का उपयोग करते हैं, तो आप अधिक छात्र–छात्राओं तक पहुँच सकते हैं, क्योंकि वे भिन्न–भिन्न तरीक़ों से सीखेंगे।

3 पाठ की समाप्ति पर शिक्षण की जाँच

हमेशा यह पता लगाने के लिए समय (पाठ के दौरान या उसकी समाप्ति पर) रखें कि कितनी प्रगति हुई है। जाँच करने का अर्थ हमेशा परीक्षा ही नहीं होता है। आम तौर पर उसे शीघ्र और उसी जगह पर होना चाहिए – जैसे नियोजित प्रश्न या छात्र–छात्राओं को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे प्रस्तुत करते देखना – लेकिन आपको लचीला होने के लिए छात्र–छात्राओं के उत्तरों से आपको जो पता चलता है उसके अनुसार परिवर्तन करने की योजना बनानी चाहिए।

पाठ को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है, शुरू के लक्ष्यों पर वापस लौटना और छात्र–छात्राओं को इस बात के लिए समय देना कि वे एक दूसरे को और आपको उस शिक्षण से हुई उनकी प्रगति के बारे में बता सकें। छात्र–छात्राओं की बात को सुनकर आप सुनिश्चित कर सकेंगे कि आपको अगले पाठ के लिए क्या योजना बनानी है।

पाठों की समीक्षा करना

हर पाठ का पुनरावलोकन करें और यह दर्ज करें कि आपने क्या किया, आपके छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा, किन संसाधनों का उपयोग किया और सब कुछ कितनी अच्छी तरह से संपन्न हुआ ताकि आप अगले पाठों के लिए अपनी योजनाओं में सुधार या उनका समायोजन कर सकें। उदाहरण के लिए, आप निम्न निर्णय कर सकते हैं:

- गतिविधियों में बदलाव करना
- खुले और बंद प्रश्नों की एक शृंखला तैयार करना
- जिन छात्र–छात्राओं को अतिरिक्त सहायता चाहिए उनके साथ अनुवर्ती सत्र आयोजित करना।

सोचें कि आप छात्र–छात्राओं के सीखने में मदद करने के लिए क्या योजना बना सकते थे या अधिक बेहतर कर सकते थे।

जब आप हर पाठ में से गुजरेंगे आपकी पाठ संबंधी योजनाएँ अपरिहार्य रूप से बदल जाएँगी, क्योंकि आप हर होने वाली चीज का पूर्वानुमान नहीं कर सकते। अच्छे नियोजन का अर्थ है कि आप जानते हैं कि आप शिक्षण को किस तरह से करना चाहते हैं

और इसलिए जब आपको अपने छात्र–छात्राओं के वास्तविक सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के बारे में पता चलेगा तब आप लचीले ढंग से उसके प्रति अनुक्रिया करने को तैयार रहेंगे।

अतिरिक्त संसाधन

- A language activity using newspapers: http://www.teachersofindia.org/en/article/classroom-sparkler-newspaper
- Some writing resources can be found on the Azim Premji Foundation website: http://www.azimpremjifoundation.org/E-learning_Resources
- You may be able to find some resources on the NUEPA website: http://www.nuepa.org/
- Support for teachers can be found on the Teacher Education website of MHRD: http://www.teindia.nic.in

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Black Country Children's Services Improvement Partnership (undated) *Black Country Challenge KS1 & 2 Writing Project 2009/2010* (online). Wolverhampton: Black Country Children's Services Improvement Partnership. Available from: http://www.gillmatthews.co.uk/images/downloads/bcc%20writing%20project_FINAL.PDF (accessed 29 October 2014).

Katahira, J. (undated) 'Note writing in the primary classroom' (online), ReadWriteThink. Available from: http://www.readwritethink.org/classroom-resources/lesson-plans/note-writing-primary-classroom-285.html?tab=4#tabs (accessed 29 October 2014).

Kopp, K. (2008a) *Learning through Writing, Grade 3: Authentic Writing Activities for the Content Areas*. Gainsville, FL: Maupin House Publishing.

Kopp, K. (2008b) *Learning through Writing, Grade 5: Authentic Writing Activities for the Content Areas*. Gainsville, FL: Maupin House Publishing.

Lidvall, C.D. (2008) *Get Real: Instructional Implications for Authentic Writing Activities* (online), DiscoverArchive, Vanderbilt University. Available from: http://discoverarchive.vanderbilt.edu/bitstream/handle/1803/789/CarlyLidvallCapstone.pdf?sequence=1 (accessed 29 October 2014).

O'Sullivan. O. (2007) *Understanding Spelling*, London: Centre for Literacy in Primary Education.

Pavlock, K. (undated) 'Writing for the real world' (online), ReadWriteThink. Available from: http://www.readwritethink.org/parent-afterschool-resources/tips-howtos/writing-real-world-30115.html (accessed 29 October 2014).

Wilcox, A. (undated) 'Literary resource: writing for purpose' (online), Teach Primary. Available from: http://www.teachprimary.com/learning_resources/view/literacy-resource-writing-for-purpose (accessed 29 October 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-

India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।